

Page 1

B.A. (I), Paper I
General Psychology

Topic - Thinking

Q. What do you understand by problem solving? Describe the different stages of problem solving.

चिंतन का प्रारम्भ किसी न किसी प्रकार के समस्या से होता है जिसका मूल उद्देश्य समस्या का सही समाधान ढुंढना होता है। चिंतन की समस्या समाधान कक्ष का संकल्प है। चिंतन में समस्या समाधान का अवधारणा प्रकट होता है जिसके कारण व्यक्ति का अन्य वास्तविक अवधारणा रूपांतर होता है वास्तविक रूप से वह निश्चल और निष्क्रिय दिखता है। हम कह सकते हैं कि चिंतन द्वारा किसी समस्या का समाधान प्रकट प्राकृतिक प्रक्रिया का प्रतिफल होता है।

जब कोई व्यक्ति किसी नई परिस्थिति का सामना करता है जिससे वह किसी उद्देश्य को प्राप्त करने में प्रसन्न होता है लेकिन किसी बाधा के कारण वह उद्देश्य प्राप्त नहीं कर पाता है।

तथा उस समय वह अपने को लाया एवं
 अलक्ष्य अनुभव करता है तो वह अवस्था
 को समाधान मूलक परिदृश्य कहते हैं। समाधान
 का समाधान तथा संभव है जब व्यक्ति उस
 उस बोधा को शुरू करे तो ही प्रतिष्ठा का
 विकास करने में सफल होता है सामान्यतः
 व्यक्ति समाधान के समाधान अपने पूर्व अनुभव
 तथा शिक्षण के फलों का उपयोग करता है
 परन्तु कभी-कभी यह कारण न होता है
 ऐसी स्थिति में व्यक्ति प्रथम सामान्य
 (Formation of new concepts)

आगमनात्मक एवं निगमनात्मक चिंतन
 inductive and deductive thinking)
 मूलसंश्लेष चिंतन (evaluating thinking)
 आदि द्वारा समाधान का समाधान दुर्लभ
 है।

समाधान समाधान की अवस्थाएँ (Steps
 in problem solving)

(1) समाधान समाधान की प्रेरणा का क्षेत्र
 Becoming concerned about is a problem

जिसे भी समाधान के समाधान हेतु
 व्यक्ति का क्षेत्र अनुभव आवश्यक है।

(2) समाधान समाधान का संश्लेषित सामग्री
 का स्वरूप का मिलान। मिलने सुझाव
 से किसी समाधान पर कार्य करना होता है।

Assembling the materials with which to

समस्या समाधान में चिंतन के लिए यह आवश्यक है कि समस्या से संबंधित सभी पक्षों को जांच पड़ताल करें। अगर उसके द्वारा किसी नए उपकरण के निर्माण से संबंध में सोचा जाता है तो यह आवश्यक है कि उसके द्वारा यह दायगी की जा सकती है कि नए उपकरण को कैसे अधिक सुरक्षा और उपयोगिता प्रदान करता है और खर्च की लागत की आवश्यकता होगी, उस खर्च को सामग्री की उपलब्धता क्या होगी, क्या-क्या सावधानी बरतनी होगी, रचनात्मक चिंतन के प्रयोग में इस उपलब्धता को ध्यान में रखना चाहिए।

(3) विविध संभावित समाधान प्राप्त करना (primary a number of possible solutions) के लिए व्यक्ति किसी समस्या पर विचार करता है तब समस्या से संबंधित विभिन्न तथ्यों को मिलाने एवं संगठित करने के बाद उसे समस्या समाधान हेतु कई तरीके दिखाने लगता है और इन प्रकार समस्या का समाधान प्रदानक हो जाता है।

(4) सुझाए गए समाधान का मूल्यांकन (evaluation) of the suggested solutions) - किसी समस्या का समाधान दिखाने के पश्चात् उसे प्रयोगिक मातृक संभावित समाधान के विचारों का मूल्यांकन करना है।

- द्वि-प्रकार का उपयुक्त समाधान का समाधान सुनिश्चित किया जाता है।
- (5) समाधान का वस्तुगत परीक्षण एवं सत्यापन (objective tests and verification of the solutions) - यदि समाधान की जांच हेतु ज्ञान तब प्रयाप्त नहीं है तो नए तथ्यों की तलाश एवं निरीक्षण की आवश्यकता पड़ती है। कम सत्यापन की अवस्था कथि जाता है।
- (6) समाधान का क्रियान्वयन (Implementation of the solutions) - समाधान-समाधान-अवस्था की यह आत्म-अवस्था है जिसमें उपयुक्त पांचों अवस्थाओं के फलस्वरूप समाधान सबसे अधिक उपयुक्त होता है उसे कामिन्वत का समाधान का समाधान का लिया जाता है।

By

Kumar Patil
Assistant Professor
Maharaja College, Ara